(4) अपने कृत्यों के निर्वहन के लिए स्वयं द्वारा स्थापित मानदण्ड :

मद्यनिषेध की जनकल्याणकारी योजना की वास्तविक सफलता तभी संभव है जब उसके लिए उपयुक्त प्रबल जनमत उपलब्ध रहे, मद्यपान एवं मादक पदार्थों के सेवन की बढ़ती हुई प्रवृत्ति के विरूद्ध समय रहते अन्य प्रशासकीय कार्यवाहियों के अतिरिक्त शिक्षात्मक प्रचार के माध्यम से सामाजिक संचेतना/जागरूकता पैदा करने का कार्य किया जाता है।